''दसवाँ राष्ट्रीय डेयरी एवं कृषि एग्रो विजन एक्सपो–2018, नागपुर में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की सक्रिय सहभागिता एवं कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु सार्थक पहल–डॉ. जुयाल''

जबलपुर। माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी के मार्गदर्शन में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा **''दसवें राष्ट्रीय डेयरी एवं कृषि एग्रो विजन एक्सपो–2018, नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय मेले** में दिनांक 23 से 26 नवम्बर 2018 तक वि.वि. द्वारा विगत कई वर्षो के अनुसंधान के फलस्वरूप प्रमाणित हुई पशु चिकित्सा एवं पशुपालन की विभिन्न तकनीकियों का विस्तार गतिविधियों के रूप में प्रदर्शनी लगाकर प्रदर्शन किया गया। वि.वि. विस्तार गतिविधियों की प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कृषक/पशुपालक भाईयों का पशु चिकित्सा एवं पशुपालन संबंधित ज्ञानवर्धन कर उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाना एवम् एकीकृत प्रक्षेत्र पद्धति को अंगीकृत कर अपनी आमदनी को दो–गुना करना था।

''दसवें राष्ट्रीय डेयरी एवं कृषि एग्रो विजन एक्सपो–2018, नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय मेले का उद्घाटन मान्नीय श्री राधामोहन जी, केन्द्रीय कृषि मंत्री, माननीय श्री नितिन गडकरी जी, केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री, माननीय श्री हंसराज अहीर, केन्द्रीय राज्य गृह मंत्री एवं माननीय श्री देवेन्द्र फर्णवीस मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र शासन एवं माननीय श्री योगी आदित्य नाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन की गरिमामय उपस्थित में सम्पन्न हुआ।

इस चार दिवसीय मेले में वि.वि. की विभिन्न विस्तार गतिविधियों का जैसे मध्यप्रदेश के मूल स्थानों में पायी जाने वाली गायों की नस्लें:–मालवी, निमारी, केनकथा, गैलाव, भैंस की नस्ल:– भदावरी, बकरी की नस्ल:– जमुनापारी, कुक्कुट की नस्ल:– कड़कनाथ, वि.वि. द्वारा विकसित उन्नत कुक्कुट नस्ल:– नर्मदा–निधि, पशुओं की विकसित नस्लें वि.वि. द्वारा विकसित पशुधन पंचाग 2018 एवं वि.वि. द्वारा गौ–माता की उपयोगिता के तहत् पंचगव्य सामग्री:– तुलसी पौधे युक्त गोबर के गमले, गौ–मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छरनाशक कुंडली आदि के उत्पादन की आधुनिक तकनीकी जानकारी को फ्लेक्स, फोल्डर तथा चार्ट के द्वारा प्रदर्शित करते हुये, प्रदर्शन खंड पर विशिष्ट अतिथियों, कृषकों व पशुपालकों को तकनीकी जानकारी से अवगत कराया गया।

साथ ही कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु **''उन्नत पशुपालन साहित्य'':–** दुधारू पशुप्रबंधन, डेयरी पालन प्रबंधन, सघन गौ–वत्स पालन, व्यवसायिक दुग्ध उत्पादन, दुधारू पशुओं का प्रबंधन एवं उच्च दूध उत्पादन, बकरी पालन प्रबंधन, सघन बकरी एवं सूकर पालन, व्यवसायिक बकरी पालन, वैज्ञानिक पद्धति से बकरी पालन, व्यवसायिक कुक्कुट पालन, कड़कनाथ मुर्गीपालन, जैविक पशुपालन वर्तमान की आवश्यकता, पशु स्वास्थ्य एवं प्रबंधन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विषयक उन्नत तकनीक, पशु प्रजनन निर्देशिका, हरे चारे के अभाव के समय पशु आहार साइलेज एवं अजोला आदि जैंसे विषयों से संबंधित प्रकाशित पठन–पाठन सामग्री एवं पंचगव्य सामग्रीयों का कृषकों/पशुपालकों को वितरण किया गया।

इस चार दिवसीय मेले में विभिन्न ग्रामोंचलों से आये कृषकों/पशुपालकों की उपस्थिति न केवल उल्लेखनीय रही, अपितु सभी ने वि.वि. के प्रदर्शन खंड की गतिविधियों का अवलोकन किया। **एग्रो विजन एक्सपो–2018, नागपुर में वि.वि. द्वारा गौ–माता की उपयोगिता के तहत् अनुसंधान एवं निर्माण की गई पंचगव्य सामग्रीः– गोबर के गमले, गौ–मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छरनाशक कुंडली आदि विशेष आकर्षण का केन्द्र रही।**

इस चार दिवसीय मेले में राष्ट्र के विख्यात विद्वानजनों, विशिष्ट अतिथियों, केंन्द्र व महाराष्ट्र शासन के उच्च अधिकारियों/प्रशासकों, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के कृषकों तथा पशुपालकों सहित करीब 600 आगंतुकों ने वि.वि. के प्रदर्शन खंड (स्टॉल) का निरीक्षण एवं अवलोकन किया।

''दसवें राष्ट्रीय डेयरी एवं कृषि एग्रो विजन एक्सपो–2018, नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय मेले में ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकगणों– डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा के निर्देशन में डॉ. सचिन जैन, डॉ. हरि आर एवम् श्री विजय चौकसे, की सक्रिय भूमिका रही।